उष्णकटिबंधीय कंद फसलों की कृषि तकनीक

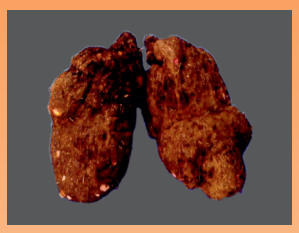

आईसीएआर–सीटीसीआरआई द्वारा विकसित उष्णकटिबंधीय कंद फसलों की उन्नत किस्में (79)

कसावा (22): एच–96, एच–165, एच–226, श्री प्रकाश, श्री जया, श्री विजया, श्री विशाखम, श्री सह्या, श्री रेखा, श्री प्रभा, श्री हर्षा, श्री पद्मनाभ, श्री स्वर्णा, श्री पवित्रा, श्री अतुल्या, श्री अपूर्वा, श्री रक्षा, श्री शक्ति, श्री सुवर्णा, श्री कावेरी, श्री अन्नम, श्री मन्ना

शकरकंद (22): एच–41, एच–42, वर्षा, श्री नंदिनी, श्री वर्धिनी, श्री रत्ना, श्री कनका, श्री भद्रा, गौरी, संकर, श्री अरुण, श्री वरुण, कलिंग, गौतम, किशन, सौरिन, भू सोना, भू कांति, भू कृष्णा, भू जा, भू स्वामी, भू अरुणिमा

रतालू (10): श्री कीर्ति, श्री रूपा, श्री शिल्पा, श्री कार्तिका, उड़ीसा एलाइट , श्री स्वाति, श्री नीलिमा, भू स्वर, श्री निधि, श्री हिमा

सफेद रतालू (6): श्री सुभ्रा, श्री प्रिया, श्री हरिता, श्री धन्या (बौनी), श्री श्वेता (बौनी), श्री धोणा

छोटा रतालू (2): श्री लता, श्री कला

जिमीकंद (2): श्री पद्मा, श्री आतिरा

अरवी (10): श्री रश्मि, श्री पल्लवी, मुक्ताकेशी, पानी सरू–1, पानी सरू–2, श्री किरण, भू कृपा, भू श्री, श्री हीरा, श्री तेलिया

चीनी आलू (1): श्री धारा

अरारोट (3): श्री आद्या, श्री नक्षत्रा, श्री कार्ति

मिश्रीकंद (1): भू शकरकंद 1

तकनीकी पत्रक त प 20/2026
जुलाई 2026

उष्णकटिबंधीय कंद फसलों की कृषि तकनीक

जे. सुरेश कुमार ए वं पद्मा क्षी ठाकुर
द्वारा

प्रकाशक
डॉ. जी. बैजु, निदेशक

आईसीएआर–केंद्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान, श्रीकार्यम, तिरुवनंतपुरम 695017, केरल, भारत
दूरभाष नं.: (91) (471)–2598551 से 2598554; ई–मेल: director.ctcri@icar.org.in; Website: https://www.ctcri.org

उष्णकटिबंधीय कंद फसलों की कृषि तकनीक

फसल	रोपण का समय	रोपण सामग्री	भूमि तैयार करने और रोपण की विधि	दूरी (सेमी.)	गोबर खाद (टन/हे)	$N:P_2O_5:K_2O$ (किग्रा/हे)	अंतर्सस्य क्रिया	अवधि (महीनों में)	औसत उपज (टन/हे)
कसावा	वर्षा आधारित : अप्रैल–मई और सितंबर–अक्टूबर सिंचाई आधारित: कभी भी	तना कर्तन : 7–10 महीने पुराना, 2–3 सेमी. मोटा, 15–20 सेमी. लंबा	टीला /मेड़ और नाली, समतल तल: 5 सेमी. गहराई तक ऊर्ध्वाधर	90 x 90 (शाखा सहित) 75 x 75 (शाखा रहित)	12.5	100:50:100	खरपतवार निकालना एवं मिट्टी चढ़ाना 1.5–2 महीने के अंतराल पर और फिर 1 महीने बाद ; यदि सूखा 2 सप्ताह से अधिक समय तक रहे तो 20 मिमी प्रति सप्ताह की दर से सिंचाई करें।	6-10	25-30
शकरकंद	उच्चहन भूमि में वर्षा आधारित कृषि: जून–जुलाई; ऊपरी इलाकों में सिंचित कृषि : अक्टूबर–नवंबर ; निचली भूमि में सिंचित कृषि : जनवरी–फरवरी	तना कर्तन : 20-30 सेमी. लंबा	क्षैतिज /तिरछा दफन टीला /मेड पर मिट्टी के नीचे 2–4 गांठें	60 x 20 (मेड़) 80 x 75 (टीला)	5	50:25:50	खरपतवार निकालना एवं मिट्टी चढ़ाना: रोपण के 1 और 2 महीने बाद खरपतवार निकालें और मिट्टी चढ़ाएं; सूखे के दौरान सप्ताह में एक बार सिंचाई करें।	3-4	20-25
रतालू	मार्च - अप्रैल	सेट्स: 250-300 ग्रा.	गड्ढे का टीले में पुनर्निर्माण	90 x 90	10	80:60:80	अंकुरण के 15 दिन बाद पौधों को फैलाना या सहारे पर चढ़ाना; अंकुरण के एक सप्ताह के भीतर और एक महीने बाद खरपतवार निकालना और मिट्टी चढ़ाना।	8-10	25-30
सफेद रतालू	मार्च - अप्रैल	सेट्स: 250-300 ग्रा.	गड्ढे का टीले में पुनर्निर्माण	90 x 90 60 x 60 (बौना सफेद रतालू)	10	100:50:100		9-10	35-40
छोटा रतालू	मार्च - अप्रैल	बीज रतालू: 100-150 ग्रा.	टीला	75 x 75	10	80:60:80		8-9	15-20
जिमीकंद	फरवरी–अप्रैल	घनकन्द भाग: 750 ग्रा.; घनकन्द 500 ग्रा.	गड्ढे	90 x 90	25	100:50:100	पौधे लगाने के तुरंत बाद मल्चिंग करना; डेढ़ महीने की अवस्था में और एक महीने बाद खरपतवार नियंत्रण और अंतर्खेती करना।	8-9	35-40
अरवी	अप्रैल–जून	घनकंदक/पार्श्व घनकन्द: 20-25 ग्रा.; मातृ घनकन्द: 75-100 ग्रा.	मेड़ और नाली / गड्ढा/ टीला / बिस्तर	60 x 45	12.5	80:25:100	पौधे लगाने के बाद मल्चिंग करना; 9-12 सिंचाई; फसल कटाई से एक महीने पहले सिंचाई बंद कर दें; एक और दो महीने की अवस्था में खरपतवार निकालना, हल्की गुड़ाई करना और मिट्टी चढ़ाना; कटाई से एक महीने पहले पत्तों वाले हिस्सों को मिटटी में दबाना	6-7	15-20
तानिया	मार्च - अप्रैल	मातृ घनकन्द भाग : 100-150 ग्रा. ; घनकंदक: 50-75 ग्रा.	टीला / गड्ढा / मेड़ और नाली	90 x 90	25	80:50:150	1–1.5 महीने की अवस्था में और उसके 1 महीने बाद खरपतवार निकालना और मिट्टी चढ़ाना।	9-10	20-25
चीनी आलू	जुलाई -अक्टूबर	पूरा कंद ; तना कर्तन (10-15 सेमी लंबा)	टीला/ मेड़ और नाली ; क्षैतिज /ऊर्ध्वाधर रोपण	45 x 30	10	60:60:100	एक महीने तक और एक महीने बाद खरपतवार निकालना और मिट्टी चढ़ाना	4-5	20-25
अरारोट	मई–जून	प्रकंद के भाग: 4-7 सेमी. लंबा, 2–4 कलियाँ, 20-25 ग्रा.; चूसक	उठा हुआ बिस्तर	30 x 15	10	50:25:75	एक महीने के भीतर और दो महीने बाद खरपतवार निकालना और मिट्टी चढ़ाना	10-11	20-25
मिश्रीकंद	जून–जुलाई अगस्त–सितंबर	3–5 बीज /टीला	टीला मेड़ और नाली	60 x 30	10	80:60:80	एक महीने तक और एक महीने बाद खरपतवार निकालना और मिट्टी चढ़ाना	3-5	18-20